राजस्थान समसामयिकी जुलाई, 2025

संजीव वेबसाइट से नि:शुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव वेबसाइट से आप E-Book भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी जुलाई, 2025
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 3 July, 2025

■ **राजस्थान में दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना शुरू हुई; पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन—**

हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के गाँवों को गरीबी मुक्त बनाने के लिए योजना शुरू की है। 'पण्डित दीनदयाल योजना उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना' के तहत पहले चरण में 5 हजार गाँवों का चयन किया गया है। इन गाँवों के चयनित बीपीएल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

योजना के तहत ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। ऐसे 22 हजार 400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित की जाएगी।

योजना के पहल चरण में राज्य के 5002 गाँवों में कुल 30,631 बीपीएल परिवारों को चिह्नित किया गया है। योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रति परिवार 15 हजार रुपए तक की कार्यशील पूँजी दी जाएगी।

इस योजना के दूसरे चरण में भी 5002 गाँवों को चयनित किया गया है, जहाँ बीपीएल परिवारों का सर्वेक्षण जारी है।

Newspaper of 9 July, 2025

■ **कोटा में 'नमो टॉय बैंक' की स्थापना होगी; बच्चे संचालन करेंगे—**

8 जुलाई 2024 को ओम बिरला ने कोटा में नमो टॉय बैंक की स्थापना की घोषणा की। इस प्रकल्प के माध्यम से समाज के वंचित और जरूरतमंद बच्चों तक वह मुस्कान पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा, जिसे संसाधनों की कमी ने दबा दिया था। 'नमो टॉय बैंक' बच्चों द्वारा बच्चों के लिए संचालित होगा। विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ इसमें खिलौनों का संग्रहण करेंगे और टॉय बैंक में जमा करेंगे। इसके बाद उनकी छंटाई, सफाई, मरम्मत के बाद वंचित परिवारों के बच्चों को इसका वितरण किया जाएगा। इससे बच्चों में सेवा, नेतृत्व और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्य विकसित होंगे।

Newspaper of 10 July, 2025

■ **सत्र 2026-27 से बीकानेर में प्रदेश का पहला बालिका सैन्य स्कूल शुरू होगा—**

प्रदेश का पहला बालिका सैन्य स्कूल अगले साल 1 जुलाई से बीकानेर में प्रारंभ होगा।

विद्यालय में कक्षा 6 एवं कक्षा 9वीं में प्रवेश केवल छात्राओं को मिलेगा। प्रत्येक कक्षा में 80 छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षा राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन जनवरी-2026 में भरे जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा अप्रैल-2026 में होगी और परिणाम मई में जारी होगा। सत्र 1 जुलाई, 2026 से प्रारंभ होगा। विद्यालयों का संचालन राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में संचालित सैनिक स्कूल की तर्ज पर किया जाएगा। विद्यालय में प्रधानाचार्य और हॉस्टल वार्डन के लिए सेवानिवृत्त आर्मी ऑफिसर को नियुक्त किया जाएगा। अन्य शैक्षणिक और अशैक्षणिक स्टाफ राज्य सेवा में कार्यरत कर्मचारियों में से लगाया जाएगा।

जयपुर सहित 9 स्थानों पर स्कूल खोलने की है योजना—

प्रदेश में वर्तमान में कुल 9 विद्यालय प्रारंभ करने की योजना है। एक विद्यालय श्रीगंगानगर में सामान्य सैनिक विद्यालय होगा। सभी 9 सैन्य स्कूलों में विज्ञान संकाय के सभी विषयों में अध्ययन की व्यवस्था रहेगी। विद्यालय पूर्णतया आवासीय होंगे। जयपुर तथा उदयपुर जिले में बालिका सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया की जा रही है। कोटा, जोधपुर, अजमेर, भरतपुर सहित अन्य जगह भूमि आवंटित की जा चुकी है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 14 July, 2025

■ **पैरा जैवलिन थ्रो में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले राजस्थान के तीसरे एथलीट—**

पैरा जैवलिन में राजस्थान से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले महेन्द्र देवेन्द्र झाझड़िया और सुंदर गुर्जर के बाद तीसरे एथलीट हैं। हालांकि, देवेन्द्र और सुंदर की कैटेगरी अलग थी। उन्हें हाथ की समस्या थी जबकि महेन्द्र को पोलियो है। महेन्द्र ने अपने ही वर्ल्ड रिकॉर्ड को 7वीं इंडियन ओपन इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में लागतार दो थ्रो में दो बार तोड़ा है।

Newspaper of 15 July, 2025

■ **राज्य कैबिनेट की बैठक : RPSC में अब 10 सदस्य होगे; में अहम निर्णय लिये—**

शहरी व मेडिकल क्षेत्र में विकास की 3 नई नीतियों को मंजूरी—

रोजगार और पदोन्नति के लिए सेवा नियमों में संशोधन
ग्लोबल मेडिकल टूरिज्म हब बनेगा राजस्थान
आरआईसी प्रबंधन के लिए होगा गवर्निंग बोर्ड का गठन

14 जुलाई, 2025 को राज्य कैबिनेट की बैठक में कई अहम निर्णय किए गए। कैबिनेट के बाद मंत्रिपरिषद् की बैठक हुई। कैबिनेट बैठक में आरपीएससी में सदस्यों की संख्या 7 से बढ़ाकर 10 करने, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी और शहरों के सुनियोजित विकास के लिए टाउनशिप पॉलिसी को मंजूरी दी गई। आरयूएचएस को एम्स की तर्ज पर स्वायत्तशासी संस्था बनाने के साथ ही राजस्थान को ग्लोबल मेडिकल टूरिज्म हब बनाने को लेकर निर्णय किए गए। बैठक में अक्षय ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास, कर्मचारी कल्याण एवं विभिन्न संवर्गों के कार्मिकों के लिए पदोन्नति के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने से जुड़े कई फैसले किए गए हैं।

टाउनशिप पॉलिसी से सुविधा विस्तार—प्रदेश के विकास को देखते हुए तीन नई नीतियों को मंजूरी दी है। राजस्थान को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने के लिए मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान नीति-2025) के प्रारूप का अनुमोदन किया है। टाउनशिप पॉलिसी-2024 के तहत प्रदेश के शहरों में सुविधाओं का विस्तार होगा। नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति 2025 से गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। पीएनजी एवं सीएनजी नेटवर्क को छोटे शहरों व नगरों मे तेजी से विस्तार हो सकेगा। सीजीडी पोर्टल बनेगा।

Newspaper of 16 July, 2025

■ **राजस्थान रेयर अर्थ एलिमेंट्स के बालोतरा में बड़े भंडार मिले; प्रदेश 'दुर्लभ खनिज' उत्पादन का हब बनेगा—**

हाल ही में किए गए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) एवं एटॉमिक मिनरल्स निदेशालय (एएमडी) के सर्वे में बालोतरा की सिवाना तहसील के भाटी खेड़ा में रेयर अर्थ मिनरल्स के बड़े भंडार सामने आए है। बता दें कि वर्तमान में दुनिया के 90 फीसदी रेयर अर्थ एलिमेंट्स का चीन में उत्पादन होता है। इनमें 17 तरह के दुर्लभ तत्व होते है, आधुनिक तकनीक में इनकी मांग बहुत है।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जीएसआई एवं एएमडी की ओर से बालोतरा एवं जालोर जिले में कई जगहों पर सर्वे का कार्य जारी है। इसमें बालोतरा जिले की सिवाना तहसील के भाटी खेड़ा इलाके में सर्वे कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जल्द ही यहाँ खनन के लिए नीलामी प्रक्रिया शुरू होगी। दुर्लभ खनिजों के लिए केन्द्र सरकार प्राइवेट कंपनियों या प्रदेश की सरकारी एजेंसियों को खनन लीज की नीलामी करती हैं। भाटी खेड़ा में वाइल्ड लाइफ सेंचुरी इत्यादि नजदीक नहीं होने के कारण माना जा रहा है कि पर्यावरण या स्थानीय स्तर की कोई बाधा नहीं आएगी।

हार्ड रॉक में देश का पहला खनन—खनन विभाग बाड़मेर के वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक डॉ. चंद्रप्रकाश दाधीच ने बताया कि भाटी खेड़ा ब्लॉक में हार्ड रॉक ग्रेनाइट में रेयर एलिमेंट्स हैं, हार्ड रॉक में दुर्लभ खनिज भंडार वाला यह देश का पहला ब्लॉक होगा। आमतौर पर हार्ड रॉक में यह कम मात्रा में मिलते हैं। जीएसआई के अधिकारियों के अनुसार, यहां जी 2 लेवल सर्वे हो चुका है, यानी रेयर एलिमेंट्स के बड़े भंडार प्रमाणित है।

खनिजों का बनेगा हब—रेयर अर्थ तत्व इलेक्ट्रोनिक्स, ग्रीन एनर्जी, रक्षा क्षेत्र, हाई पावर मैगनेट, एयरोस्पेस एवं अन्य उपकरण बनाने में काम आते हैं। बाड़मेर, बालोतरा, जालोर में इनके लिए सर्वे हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि खनिज भंडारों की खोज और मूल्यांकन, सटीक मैपिंग, तकनीकी व बुनियादी ढांचे को मजबूत करके खनन के लिए निवेशकों को आकर्षित किया जाए तो राजस्थान को रेयर अर्थ खनिज का बड़ा हब बनाया जा सकता है।

Newspaper of 17 July, 2025

■ **जुलाई, 2025 में काजरी के प्रधान वैज्ञानिक व एकीकृत कृषि प्रणाली प्रभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज सिंह को**

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 97वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने प्रदान किया।

■ **नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय ने अक्षय ऊर्जा की जून माह की रिपोर्ट जारी की; 37818 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के साथ राजस्थान फिर पहले स्थान पर, गुजरात दूसरे नबर पर रहा—**

देश में सबसे ज्यादा अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन ऊर्जा, बायोमास) प्रोजेक्ट में राजस्थान ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया। गुजरात दूसरे स्थान पर खिसक गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की इस वर्ष जून की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान की अक्षय ऊर्जा क्षमता 37818 मेगावाट है, जबकि गुजरात 37494 मेगावाट के साथ दूसरे स्थान पर है। मई में राजस्थान के मुकाबले (35400 मेगावाट) गुजरात की क्षमता बढ़कर 35900 मेगावाट हो गई थी। हालांकि, राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में कई वर्ष से पहले पायदान पर बना हुआ है, लेकिन पवन ऊर्जा में पांचवे स्थान पर है।

सौर ऊर्जा

- ♦ राजस्थान — 31967 मेगावाट
- ♦ गुजरात — 21451 मेगावाट
- ♦ महाराष्ट्र — 12575 मेगावाट

पवन ऊर्जा

- ♦ गुजरात — 13816 मेगावाट
- ♦ तमिलनाडु — 11830 मेगावाट
- ♦ कर्नाटक — 7714 मेगावाट
- ♦ महाराष्ट्र — 5307 मेगावाट
- ♦ राजस्थान — 5208 मेगावाट

Newspaper of 18 July, 2025

■ **केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने RCDF ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ किया—**

17 जुलाई, 2025 को जयपुर के ग्राम दादिया में आयोजित सहकार एवं रोजगार उत्सव में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की पीडीएस ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ किया। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत से राज्यभर में 15 या इससे अधिक दुग्ध उत्पादक आवेदन कर प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का गठन कर सकते हैं।

Newspaper of 20 July, 2025

■ **राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के साझे में बन रही श्रीकृष्ण गमन पथ योजना में करौली का कैलादेवी मंदिर भी जोड़ा गया है। राजस्थान का यह इकलौता देवी मंदिर होगा जो इस योजना में जोड़ा गया है, क्योंकि कैलादेवी को श्रीकृष्ण की बहन माना गया है। उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण गमन पथ उत्तरप्रदेश के मथुरा से शुरू होकर राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश में उज्जैन तक बनेगा। यह पथ करीब 800 किलोमीटर लम्बा होगा। इस पथ में लगभग 500 किमी. का हिस्सा राजस्थान के 6 जिलों (भरतपुर, डीग, करौली, बूंदी, कोटा, झालावाड़) से होते हुए गुजरेगा।**

Newspaper of 21 July, 2025

■ **पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत राजस्थान देश में अग्रणी, एक वर्ष में 1190 मेगावाट के 592 प्लांट लगे—**

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। राजस्थान में 1305 मेगावाट क्षमता के 684 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। पिछले एक वर्ष में 1190 मेगावाट के 592 प्लांट लगे हैं। कुसुम योजना में प्रदेश के जयपुर डिस्कॉम में 169.22 मेगावाट, जोधपुर डिस्कॉम में 997.50 मेगावाट तथा अजमेर डिस्कॉम में 137.33 मेगावाट के प्रोजेक्ट लगे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल के बाद राजस्थान पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए में अग्रणी तो कम्पोनेंट-सी में तीसरे स्थान पर है। कम्पोनेंट-ए में 457 मेगावाट के प्लांट अकेले राजस्थान में हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद राजस्थान तीसरे स्थान पर है। इन प्लांटों से जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम को 2 रुपए 9 पैसे से लेकर 3 रुपए प्रति यूनिट की दर से सस्ती, सुलभ व शून्य कार्बन उत्सर्जन आधारित बिजली मिल रही है।

पीएम कुसुम के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन से। सौर ऊर्जा के साथ-साथ विकेंद्रित सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रदेश देश का प्रमुख हब बनकर उभर रहा है। इसकी बदौलत राज्य में कुल 1305 मेगावाट क्षमता के 684 विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। योजना के कंपोनेट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट तथा कंपोनेट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड प्लांट लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेट-सी में संयंत्र स्थापित करने पर केन्द्र सरकार की ओर से प्रति मेगावाट अधिकतम 1 करोड़ 5 लाख रुपए (लागत का 30

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

प्रतिशत) की सहायता देय है। ये प्लांट किसानों द्वारा स्वयं अथवा किसी डवलपर के साथ मिलकर खेत के समीप अपनी अनुपजाऊ भूमि पर लगाए जा रहे हैं। इन सौर संयंत्रों के माध्यम से अन्नदाता किसान अब ऊर्जा दाता भी बन रहे हैं।

Newspaper of 22 July, 2025

■ **पिंकसिटी जयपुर दुनिया का पाँचवां सर्वश्रेष्ठ शहर बना—**

हाल ही में प्रतिष्ठित ट्रेवल एंड लेजर पत्रिका के रीडर्स सर्वे और वोटिंग में जयपुर को दुनिया के घूमने-देखने लायक टॉप-5 शहरों में शामिल कर पाँचवां स्थान दिया गया है। यह सम्मान जयपुर को उसकी राजस्थानी संस्कृति, गुलाबी बाजारों, आलीशान होटलों और शाही किलों के कारण मिला है। पत्रिका ने जयपुर को आइकॉनिक ग्लोबल डेस्टिनेशन की श्रेणी में स्थान दिया है। जयपुर को रीडर्स सर्वे में 91.33 अंक प्राप्त हुए।

इस वैश्विक रैंकिंग के बाद जयपुर प्रीमियम कल्चरल टूरिज्म डेस्टिनेशन बन गया है। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि दुनिया भर के पर्यटक जयपुर की संस्कृति, विरासत और खानपान से आकर्षित हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि इस सम्मान से राजस्थान का पर्यटन उद्योग नई ऊँचाइयों को छुएगा।

विश्व के सर्वश्रेष्ठ शहर-शीर्ष 10 रैंकिंग—

♦ सेन मिगुल डे एलेन्डे	मैक्सिको
♦ चियांग मेई	थाईलैंड
♦ टोक्यो	जापान
♦ बैंकॉक	थाईलैंड
♦ जयपुर	भारत
♦ होई एन	वियतनाम
♦ मेक्सिको सिटी	मैक्सिको
♦ क्योटो	जापान
♦ उबुद	बाली
♦ कुजको	पेरू

Newspaper of 23 July, 2025

■ **हाल ही में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने आदेश जारी कर प्रो. सुरेश अग्रवाल को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल की कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले हो, के लिए की है। उल्लेखनीय है कि प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात में प्रोफेसर पद पर कार्यरत थे।**

■ **हाल ही में भारतीय सेना को अमेरिका से 'अपाचे हेलिकॉप्टरों' की पहली खेप मिली है। 22 जुलाई, 2025 को अमेरिकी एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग ने तीन अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय सेना को सौंपे। ये वायुसेना के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे। इन्हें जोधपुर बेस पर तैनात किया जाएगा।**

Newspaper of 24 July, 2025

■ **विधानसभा में कारगिल शौर्य वाटिका बनेगी, 1100 पौधे लगाएंगे—**

राजस्थान विधानसभा परिसर में शौर्य वाटिका का निर्माण किया जा रहा है। शौर्य वाटिका कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता को समर्पित होगी। इस वाटिका में हरियाली अमावस्या पर एक हजार एक सौ पौधे लगाए जाएंगे। स्पीकर वासुदेव देवनानी शौर्य वाटिका में सिंदूर का पौधा रोप कर समारोह का शुभारंभ करेंगे। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर 21 वीरांगनाएँ भी विधानसभा की कारगिल शौर्य वाटिका में पौधे लगाएंगी। सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर सहित अनेक विधायक भी वाटिका में पौधारोपण करेंगे।

Newspaper of 31 July, 2025

■ **रणथम्भौर अभयारण्य में जोगी महल गेट पर बाघिन मछली स्मारक स्थापित किया गया—**

29 जुलाई, 2025 को राज्य के वनमंत्री संजय शर्मा ने रणथम्भौर अभयारण्य स्थित जोगी महल गेट पर मछली स्मारक का लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि बाघिन मछली 18 अगस्त, 2016 को दुनिया से विदा हो गई थी। गौरतलब है कि राजस्थान के सभी टाइगर रिजर्व में मछली के जीन पूल की ही संतानें हैं।

Newspaper of 31 July, 2025

■ **थार के रेतीले टीबों में मिली 'हड़प्पा' की निशानियाँ—**

पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थल में हड़प्पा सभ्यता से जुड़ा महत्त्वपूर्ण पुरास्थल खोजकर्त्ताओं को मिला है। जैसलमेर जिले के रामगढ़ तहसील से 60 किलोमीटर दूर स्थित 'राताडिया री डेरी' नामक यह स्थल सादेवाला से 17 किमी उत्तर-पश्चिम दिशा में है। शोधकर्ताओं के अनुसान यह लगभग 4500 वर्ष पुराना हड़प्पा कालीन स्थल है, जो राजस्थान के पुरातात्विक

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

इतिहास में एक नई दिशा खोलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज हड़प्पा सभ्यता की नगरीय संस्कृति और राजस्थान में उसके प्रसार को समझने में मददगार होगी।

शोधकर्त्ताओं की साझा टीम ने की खोज—यह पहला ऐसा हड़प्पा कालीन पुरास्थल है, जो उत्तर राजस्थान व गुजरात के बीच थार में स्थित है। इससे स्पष्ट होता है कि इस संस्कृति का विस्तार रेगिस्तानी इलाकों तक हुआ था। खोजकर्ताओं में राजस्थान विवि के इतिहास विभाग के शोधार्थी दिलीप कुमार सैनी, इतिहासकार पार्थ जगानी, प्रो. जीवनसिंह खरकवाल, डॉ. तमेघ पंवार, डॉ. रविन्द्र देवरा, प्रदीप कुमार गर्ग व चतरसिंह 'जाम' रामगढ़ शामिल रहे।

मिट्टी के बर्तन, चूड़ियाँ और भट्टी के अवशेष—यहाँ से लाल लेपयुक्त मृदभांड, कटोरे, परफोरेटेड जार, चर्ट से बने ब्लेड (8-10 सेमी.), मिट्टी व शंख से बनी चूड़ियाँ, त्रिकोण और इडलीनुमा टैराकोटा केक और पत्थर के पीसने-घिसने के औजार मिले हैं।

मोहनजोदड़ों जैसी भट्टी व विशेष ईंटें—पुरास्थल के दक्षिणी हिस्से में एक भट्टी भी पाई गई है, जिसके भीतर कॉलम मौजूद है। यह भट्टी मोहनजोदड़ो और गुजरात के कानमेर जैसे हड़प्पा स्थलों पर पाई गई भट्टियों से मिलती-जुलती है। इसके अतिरिक्त यहाँ वेज-आकार की ईंटें भी मिली हैं, जिनका उपयोग गोलाकार सरंचनाओं के निर्माण में होता था।

□□□

संजीव प्रकाशन

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

50 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

मनोहर सिंह कोटड़ा के मार्गदर्शन में तैयार श्रेष्ठ पुस्तकें

(41 जिलों एवं 7 संभागों पर आधारित नवीनतम संस्करण)

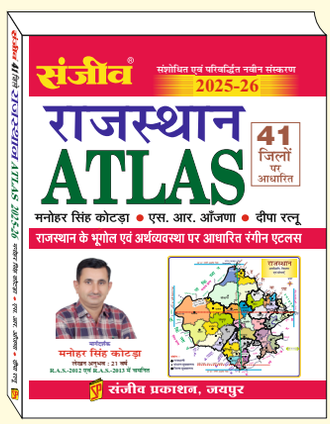

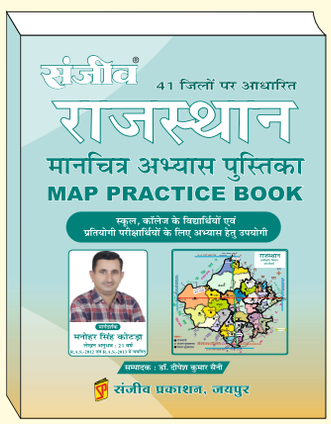

संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें

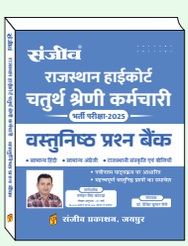

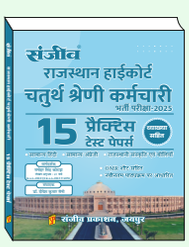

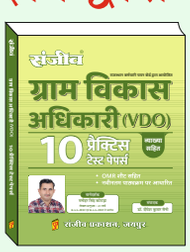

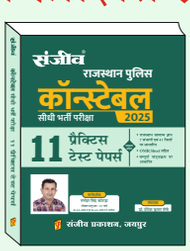

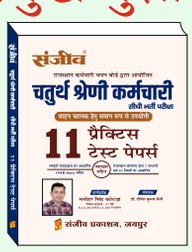

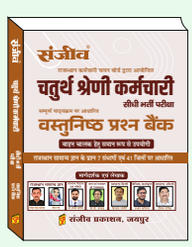

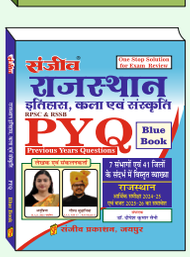

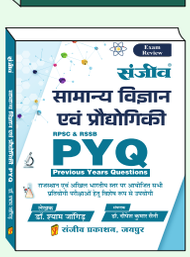

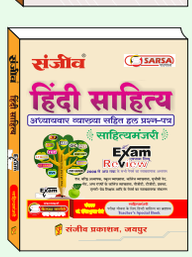

संजीव Telegram चैनल एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री नि:शुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

संजीव प्रकाशन

Join Our Telegram

प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com